प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा श्रम कम करने वाली औजार वितरित

पन्तनगर। 24 फरवरी 2024। विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से आईसीएआई टीएसपी परियोजना के तहत 'रेशम कीट पालन गतिविधियों के लिए एगोनोमिकली डिजाइन/श्रम कम करने वाले औजारों व तकनीक को अपनाने' विषय पर चार–दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण गदरपुर, सितारगंज, काशीपुर व बाजपुर ब्लॉक, ऊधम सिंह नगर के विशेषकर अनुसूचित जनजाति समुदाय के लिए आई.सी.आर. टी.एस.पी परियोजना के अंतर्गत दिया गया। प्रशिक्षण में रेशम कीट पालन करने वाले किसानों को रेशम की पालन करने वाली तकनीक व एर्गोनोमिकली 'डिजाइन औजारों के प्रयोग करने में प्रशिक्षित किया गया। किसानों को मुख्यतः रेशम कीट पालन की अंतिम अवस्था में शूट रियरिंग तकनीक के बारे में प्रशिक्षित किया तथा श्रम कम करने के लिए स्टानडिंग रैक व स्टेप स्टूल के बारे में भी जानकारी दी।

विशेषज्ञ प्राध्यापक डा. रवि मोहन, सेवानिवृत्त प्राध्यापक डा. आर.पी. श्रीवास्तवा, सहायक, प्राध्यापिका डा. रेनू पांडे एवं प्राध्यापक, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डा. सीमा क्वात्रा द्वारा उपरोक्त विषयों पर जानकारी दी गई। परियोजना की मुख्य समन्वयक अधिष्ठात्री सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालयडा. अल्का गोयल ने बताया कि उपरोक्त प्रशिक्षण में अनुसूचित जनजाति के रेशम कीट पालन करने वाले किसानों को सशक्त करने हेतु परियोजना की समन्वयक डा. दिव्या सिंह व सह–समन्वयक, डा. शेफाली मैसी ने अनुसंधान करके श्रम करने वाले तकनीक व औजारों को किसानों के लिए बनाया व सफलतापूर्वक उन्हें प्रशिक्षित किया। रेशम विभाग, हल्द्वानी के सह निदेशक हेमचंद्र आर्या ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए निम्न उपकरण शूट रिरेरिंग स्टैंड, स्टेप स्टूल व स्टैंडिंग रैक का प्रयोग करने के लिए रेशम कीट पालन किसानों को प्रोत्साहित किया। इस चार–दिवसीय प्रशिक्षण में लगभग 200 किसानों ने प्रतिभाग किया एवं 100 किसानों को उपरोक्त तकनीक औजार वितरित किए गए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को औजार वितरित करते अधिकारीगण।

निदेशक संचार